

अंगविज्जा (फोल्डर नं. १०६५)

मुप्य टाईटल

समर्पण

ग्रन्थानुक्रम

Preface (प्राक्कथन) -----	vi-viii
प्रस्तावना (मुनिश्री पुण्यविजयजी) -----	१-१५
विषयानुक्रम -----	१७-३३
Introduction (Dr. Moti Chandra) -----	35-55
अंगविज्जा (हिन्दी भूमिका-श्री सुदेवशरण अग्रवाल) -----	५७-८५
हस्तलिखित प्रतियों के फोटोचित्र -----	८७-९०
१. अंगविज्जा पड़णयं-मूलग्रन्थ -----	१-२६९
१. पहला अंगोत्पत्तो अध्याय -----	१-३
२. दूसरा निजसंस्तव अध्याय -----	३
३. तीसरा शिष्योपख्यापन अध्याय -----	३-५
४. चौथा अंगस्तव अध्याय -----	५-६
५. पाँचवाँ मणिस्तव अध्याय -----	६
६. छद्वा आधारण अध्याय -----	७
७. सातवाँ व्याकरणोपदेश अध्याय -----	७
८. आठवाँ भूमिकर्म अध्याय -----	८-५६
१. गद्यबंध संग्रहणीटल -----	८-९
२. पद्यबंध संग्रहणीपटल -----	९-१०
३. भूमिकर्म सत्त्वसमुद्देश -----	१०-११
४. आत्मभावपरीक्षा पटल -----	११-१३
५. निमित्तोपधारणा पटल -----	१३
६. आसनाध्याय पटल -----	१३-१८
७. पर्यस्तिका पटल -----	१८-२१
८. आमासगंडिका पटल -----	२१-२६
९. अपश्रय पटल -----	२६-३१
१०. स्थित पटल -----	३१-३३
११. प्रेक्षितविभाषा पटल -----	३४-३५
१२. हसितविभाषा पटल -----	३५-३६
१३. पृष्ट पटल -----	३६-३८
१४. वंदितविभाषा पटल -----	३८-३९
१५. संलापविधि पटल -----	४०-४१
१६. आगतविभाषा पटल -----	४१-४२
१७. रुदतविभाषा पटल -----	४२-४३
१८. परिदेवितविभाषा पटल -----	४३
१९. विक्रंदित पटल -----	४४
२०. पतितविभाषा पटल -----	४४-४५
२१. आत्मोत्थितविभाषा पटल -----	४५-४६
२२. निर्गत पटल -----	४६

२३. प्रचलायितविभाषा पटल -----	४६-४७
२४. जृम्भितविभाषा पटल-----	४७
२५. जल्पितविभाषा पटल -----	४७-४८
२६. चुंबितविभाषा पटल -----	४८-४९
२७. आलिङ्गित पटल-----	४५-५१
२८. निपन्नविभाषा पटल-----	५१-५३
२९. सेवितविभाषा पटल -----	५३-५६
३०. भूमीकर्मसत्त्वगुणविभाषा पटल-----	५६
९. नववाँ अंगमणी अध्याय-----	५७-१५९
मणिसूत्र-----	५७-५९
१. पिचत्तर पुण्णाम-----	५९-६६
२. पिचत्तर स्त्रीनाम-----	६६-७२
३. अट्टावन नपुंसक नाम -----	७२-७३
४. सतरह दक्षिण-----	७३-७४
५. सतरह वाम -----	७५-७६
६. सतरह मध्यम -----	७६-७६
७. अट्टाईस दृढ -----	७७-७९
८. अट्टाईस चल -----	७९-८०
९. सोलह अतिवृत्त-----	८१-८२
१०. सोलह वर्तमान -----	८२-८३
११. सोलह अनागन-----	८३-८४
१२. पचास अभ्यन्तर -----	८४-८६
१३. पचास अभ्यन्तराभ्यन्तर-----	८६-८७
१४. पचास बाहिराभ्यन्तर -----	८७-८८
१५. पचास अभ्यन्तर बाहिर -----	८८
१६. पचास बाहिर -----	८९
१७. पचास बाहिर बाहिर-----	८९-९०
१८. पचास ओवात-अवदात-----	९०-९१
१९. पचास सामोवात-श्यामावदात -----	९१
२०. पचास श्याम -----	९१-९२
(२१-२२) पचास श्यामकृष्ण और कृष्ण -----	९२
(२३-२४) पचास अध्यवदात और अतिकृष्ण -----	९२
(२५) बीस उत्तम -----	९३
(२६) चौदह मध्यम -----	९४
(२७) चौदह मध्यमानन्तर-----	९४
(२८) दस जघन्य-----	९४-९५
(२९) दो उत्तम मध्यम साधारण -----	९५-९६
(३०) दो मध्यम मध्यम साधार -----	९६
(३१) दो मध्यमानन्तर मध्यम साधारण -----	९६
(३२) दो मध्यमानन्तर जघन्य साधारण -----	९६
(३३) दस बालेय-----	९७

(३४) चौदह यौवनवस्थ	९७-९८
(३५) चौदह मध्यमवयस्क	९९
(३६) बीस महावयस्क	९९-१००
(३७-३९) वयः साधारण	१००
(४०) बीस ब्रह्मेय	१०१
(४१) चौदह क्षत्रेय	१०१
(४२) चौदह वैश्येय	१०१-१०२
(४३) दस शूद्रेय	१०२
(४४-४६) चतुर्वर्णविधान	१०२-१०४
(४७-५३) आयुःप्रमाणनिर्देश पटल	१०४
(५४) बहतर शुक्लवर्णप्रतिभोग	१०४
(५५-६२) वर्णप्रतिभोगपटल	१०४
(६३-७३) स्थितामासवर्णयोनिपटल	१०४-१०५
(७४-७९) स्निग्धरूक्ष पटल	१०५-१०७
(८०) दस आहार	१०७
(८१-८५) नीहारपटल	१०७-१०८
(८६-९५) दिक्पटल	१०८-१११
(९६-९९) प्रसन्नाऽप्रसन्नपटल	१११-११२
(१००-१०३) वामपटल	११२-११३
(१०४) ग्यारहशिव	११३
(१०५) ग्यारह स्थूल	११३-११४
(१०६) नव उपस्थूल अंग	११४
(१०७) पचीस युक्तोपचय अंग	११४
(१०८) पचीस युक्तोपचय अंग	११४
(१०९) बीस नातिकृश अंग	११४
(११०) सतरह कृश	११४
(१११) ग्यारह परंपरकृश	११४
(११२) छब्बीस दीर्घ	११४-११५
(११३) छब्बीस युक्तप्रमाण दीर्घ अंग	११५
(११४) सोलह ह्रस्व किंचिद्दीर्घ अंग	११५
(११५) सोलह ह्रस्व	११५
(११६) दस परिमंडल	११५-११६
(११७) चौदह करणमंडल	११६
(११८) बीस वृत्त	११६
(११९) बारह पृथु	११६-११७
(१२०) इकतालीस चतुरस्र अंग	११७
(१२१) दो त्र्यस्र अंग	११७
(१२२) पांच कगाय अंग	११७
(१२३) सत्ताईस तनु	११७
(१२४) इक्कीस परमतनु	११७
(१२५) दो अणु	११७

(१२६) एक परमाणु अंग-----	११७
(१२७) पांच हृदय और समानार्थक -----	११८
(१२८) पांच ग्रहण -----	११८
(१२९) पांच उपग्रहण अंग और एकार्थक-----	११८
(१३०) छप्पन रमणीय-----	११८
(१३१) बारह आकाश अंग और एकार्थक-----	११९
(१३२) छप्पन दहरचल और-----	११९
(१३३) छप्पन दहरस्थावर -----	११९
(१३४) दस ईश्वर-----	११९
(१३५) दस अनीश्वर -----	११९
(१३६) चौदह ईश्वरभूत अंग-----	११९
(१३७) पचास प्रेय -----	११९-१२०
(१३८) पचास प्रेष्यभूत-----	११९-१२०
(१३९) छब्बीस प्रिय और (१४०) छब्बीस द्वेष्य-----	१२०
(१४१) छब्बीस मध्यस्थ अंग और समानार्थक-----	१२०-१२१
(१४२-१४६) पृथ्वीकायिकादि अंगोंके नामोंका अतिदेश-----	१२१
(१४७) बीस जंगम अंगोंके नाम-----	१२१
(१४८) तेतीस आतिमूलिक अंगोंके नाम-----	१२१
(१४९) तेतीस मज्झविगाढ अंगोंके नाम-----	१२१
(१५०) तेतीस अंत अंगोंके नाम-----	१२१
(१५१) पचास मुदित और (१५२) पचास दीन-----	१२१-१२२
(१५३) बीस तीक्ष्ण अङ्ग और समानार्थक-----	१२२
(१५४) पिचत्तर उपद्रुत (१५५) पिचत्तर व्यापन्न अङ्ग -----	१२२
(१५६) दो दुर्गन्ध और (१५७) दो सुगन्ध अङ्ग-----	१२२
(१५८) नव बुद्धिरमण (१५९) चार अबुद्धिरमण-----	१२१
(१६०) ग्यारह महापरिग्रह (१६१) चार अपरिग्रह अङ्ग-----	१२२
(१६२) उन्नीस बद्ध और (१६३) सत्ताईस मोक्ष अङ्ग-----	१२२
(१६४-१६६) पचास स्वक, परकीय और स्वपरकीय अङ्ग-----	१२३
(१६७-१७२) दो शब्देय, दो रूपेय, दो गन्धेय, एक रसेय, दो स्पर्शेय, और एक मणेय अङ्ग और फलादेश-----	१२३
(१७३-१७५) चार वातमण, दो सद्मण और दश वर्णय अङ्ग -----	१२३
(१७६) दस अग्नेय अङ्ग-----	१२३
(१७७) दस जण्णेय अङ्ग -----	१२३
(१७८-१७९) दो दर्शनीय और अदर्शनीय -----	१२३
(१८०) दस थल अङ्ग -----	१२३
(१८१) बारह निम्न अङ्ग -----	१२३
(१८२-१८३) नव गम्भीर और निम्न गम्भीर अङ्ग-----	१२४
(१८४-१८९) पन्दरह विषम, चौदह उन्नत, बारह सम, दस उष्ण, दस शीतल, दस आवुणेय अङ्ग-----	१२४
(१९०-१९१) चौरासी पूर्ण और पिचत्तर तुच्छ अङ्ग -----	१२४
(१९२-२३८) उन्नीस विवर, अविवर आदि अङ्ग -----	१२४
(२३९-२७०) पचास एककादि अङ्गोंके नाम -----	१२६-१२७

१०. दसवाँ आगमन अध्याय-----	१३०-१३५
११. ग्यारहवाँ पृष्ठ अध्याय-----	१३५-१३८
१२. बारहवाँ योनि अध्याय-----	१३८-१४०
१३. तेरहवाँ योनिलक्षण व्याकरणाध्याय-----	१४०-१४४
१४. चौदहवाँ लोमद्वाराध्याय-----	१४४-१४५
१५. पनरहवाँ समागमद्वाराध्याय-----	१४५
१६. सोलहवाँ प्रज्दावाराध्याय-----	१४५
१७. सतरहवाँ आरोग्यद्वाराध्याय-----	१४५
१८. अठारहवाँ जोवितद्वाराध्याय-----	१४५-१४६
१९. उन्नीसवाँ कर्मद्वाराध्याय-----	१४६
२०. बीसवाँ वृष्टिद्वाराध्याय-----	१४६
२१. इक्कीसवाँ विजयद्वाराध्याय-----	१४६
२२. बाईसवाँ प्रशस्ताध्याय-----	१४६-१४८
२३. तेईसवाँ अप्रशस्त अध्याय-----	१४८-१४९
२४. चौबीसवाँ जातिविजयाध्याय-----	१४९
२५. पच्चीसवाँ गोत्राध्याय-----	१४९-१५०
२६. छब्बीसवाँ नामाध्याय-----	१५०-१५८
२७. सत्ताईसवाँ स्थान अध्याय-----	१५९
२८. अट्ठाईसवाँ कर्मयोनि अध्याय-----	१५९-१६१
२९. उनतीसवाँ नगरविजयाध्याय-----	१६१-१६२
३०. तीसवाँ आभरणयोनि अध्याय-----	१६२-१६३
३१. इक्कीसवाँ वस्त्रयोनि अध्याय-----	१६३-१६४
३२. बत्तीसवाँ ध्यानयोनि अध्याय-----	१६८-१६५
३३. तेत्तीसवाँ यानयोनि अध्याय-----	१६५-१६६
३४. चौत्तीसवाँ संलापयोनि अध्याय-----	१६७-१६८
३५. पैंतीसवाँ प्रजाविशुद्धि अध्याय-----	१६८-१७०
३६. छत्तीसवाँ दोहद अध्याय-----	१७०-१७२
३७. सैंतीसवाँ लक्षण अध्याय-----	१७३-१७४
३८. अड़तीसवाँ व्यंजनाध्याय-----	१७४-१७५
३९. उणचालीसवाँ कन्यावासनाध्याय-----	१७६-१७६
४०. चालरीसवाँ भोजनाध्याय-----	१७६-१८२
४१. इकतालीसवाँ वरियगंडिकाध्याय-----	१८२-१८६
४२. बयालीसवाँ स्वप्नाध्याय-----	१८६-१९१
४३. तैंतालीसवाँ प्रवासाध्याय-----	१९१-१९२
४४. चौवालीसवाँ प्रवास अद्धाकालाध्याय-----	१९२-१९३
४५. पैंतालीसवाँ प्रवेश अध्याय-----	१९३-१९४
४६. छियालीसवाँ प्रवेशनाध्याय-----	१९५-१९७
४७. सैंतालीसवाँ यात्राध्याय-----	१९८-१९९
४८. अड़तालीसवाँ जयाध्याय-----	१९९-२०१
४९. उनचासवाँ पराजयाध्याय-----	२०१-२०२
५०. पचासवाँ उपद्रुताध्याय-----	२०२-२०४

५१. इक्कावनवाँ देवताविजयाध्याय -----	२०४-२०६
५२. बावनवाँ नक्षत्रविजयाध्याय-----	२०६-२०९
५३. त्रेपनवाँ उत्पाताध्याय-----	२१०-२११
५४. चौपनवाँ सारासार अध्याय-----	२११-२१३
५५. पचपनवाँ निधान अध्याय -----	२१३-२१४
५६. छप्पनवाँ निविसूत्राध्याय-----	२१४-२१६
५७. सत्तावनवाँ नष्टकोशकाध्याय-----	२१६-२२१
५८. अट्ठावनवाँ चिंतिताध्याय -----	२२३-२३४
५९. उनसठवाँ कालाध्याय-----	२३५-२६२
६०. साठवाँ पूर्वमेवविपाकाध्याय-पूर्वार्ध-----	२६२-२६३
६०. साठवाँ उपपत्तिविजयाध्याय-उत्तरार्ध-----	२३४-२६९
प्रथम परिशिष्ट-सटीकम् अंगविद्या शास्त्रम्-----	२७२-२८०
द्वितीय परिशिष्ट-अंगविज्जा-शब्दकोष-----	२८१-३२४
तृतीय परिशिष्ट-अंगविज्जान्तर्गतप्राकृतधातुप्रयोगाणं संग्रहः-----	३२५-३३४
चतुर्थ परिशिष्ट	
१. अंगविज्जानवमाध्ययामध्यगतानामङ्गनाम्नां कोष-----	३३५-३३७
२. अंगविज्जानवमाध्यायप्रारम्भे निर्दिष्टानां अङ्गविभाजकद्वाराणां संग्रहः-----	३३८-३४०
३. अंगविज्जानवमाध्याये विभागशो निर्दिष्टानामङ्गनाम्नां यथाविभागं संग्रहः-----	३४०-३४७
पञ्चमपरिशिष्ट-अंगविज्जामध्यगतानां विशिष्टवस्तुनाम्नां विभागसः संग्रहः-----	३४८-३६७
शुद्धिपत्रम्-----	३६९-३७२